International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

राजनीतिक विश्वास और आर्थिक असमानताः आधुनिक लोकतंत्रों में उनके संबंध का विश्लेषण

Dr. Abha Choubey

Principal, Sukhnandan College Mungeli (C.G.)

सारांश

यह शोधपत्र समकालीन लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक विश्वास और आर्थिक असमानता के बीच संबंध की जांच करता है। राजनीतिक विश्वास, जो लोकतांत्रिक प्रणालियों की स्थिरता और कार्यप्रणाली का एक महत्वपूर्ण तत्व है, अक्सर विभिन्न सामाजिक और आर्थिक कारकों से प्रभावित होता है। आर्थिक असमानता, जो आय और धन वितरण में असमानताओं से चिह्नित होती है, नागरिकों की राजनीतिक संस्थानों और नेताओं की धारणाओं को आकार देने वाले एक कारक के रूप में तेजी से प्रमुख हो रही है। उन्नत लोकतांत्रिक देशों से प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ों के आधार पर, यह अध्ययन इस बात की जांच करता है कि आर्थिक असमानता राजनीतिक विश्वास के स्तर से किस प्रकार संबंधित है और यह अनुमान लगाया गया है कि अधिक आर्थिक असमानता निम्न राजनीतिक विश्वास को जन्म देती है। यह शोध असमानता के कारण राजनीतिक विश्वास में कमी के तंत्रों का भो विश्लेषण करता है जैसे कि अलगाव की भावना, राजनीतिक भ्रष्टाचार का अनुभव, और सामाजिक गतिशीलता की कमी। इसके अतिरिक्त, कल्याणकारी नीतियों और प्रगतिशील कराधान जैसी संस्थागत प्रतिक्रियाओं की भूमिका को एक संशोधक कारक के रूप में विचार किया गया है। निष्कर्ष बताते हैं कि उच्च आर्थिक असमानता कमजोर या अप्रभावी कल्याण प्रणालियों के तहत राजनीतिक संस्थानों में विश्वास को कम करती है। यह शोध आधुनिक लोकतंत्रों में राजनीतिक भागीदारी और स्थिरता पर आर्थिक असमानता के हानिकारक प्रभावों को उजागर करते हुए लोकतांत्रिक शासन पर बढ़ते साहित्य में योगदान देता है।

संकेत शब्दः राजनीतिक विश्वास, आर्थिक असमानता, लोकतंत्र, राजनीतिक संस्थान, सामाजिक गतिशीलता।

परिचय

राजनीतिक विश्वास लोकतांत्रिक शासन का एक आधारभूत स्तंभ है, जो राजनीतिक संस्थानों की वैधता और शासन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। आधुनिक लोकतंत्रों में, राजनीतिक संस्थानों में विश्वास को कानूनों के अनुपालन, राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देने और सामाजिक एकता बनाए रखने के लिए आवश्यक माना जाता है। हालांकि, हाल के दशकों में कई लोकतांत्रिक देशों में

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

राजनीतिक विश्वास के स्तर में गिरावट देखी गई है, जिससे लोकतांत्रिक प्रणालियों की स्थिरता और प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन पर चिंता उत्पन्न हुई है।

राजनीतिक विश्वास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में से एक आर्थिक असमानता है। आर्थिक असमानता, जो समाज में आय और धन के असमान वितरण को दर्शाती है, कई उन्नत लोकतांत्रिक देशों में बढ़ रही है और सामाजिक व आर्थिक विभाजन की भावना को गहरा रही है। संपन्न वर्ग और शेष जनसंख्या के बीच बढ़ता हुआ यह अंतर असंतोष को जन्म देता है, विशेष रूप से तब जब नागरिक यह महसूस करते ह कि राजनीतिक संस्थाएँ इन असमानताओं को बनाए रखने में या तो अक्षम हैं या सहायक हैं।

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध जटिल और बहुआयामी है। एक ओर, उच्च असमानता जनता में, विशेष रूप से हाशिए पर पड़े और निम्न–आय वर्गों में, हताशा और मोहभंग पैदा कर सकती है, जो यह महसूस करते हैं कि राजनीतिक प्रणाली उनकी आवश्यकताओं या हितों के प्रति उत्तरदायी नहीं है। दूसरी ओर, यह धारणा कि राजनीतिक प्रणाली केवल संपन्न वर्ग का पक्ष लेती है, सरकार की संस्थाओं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास को कमजोर कर सकती है और राजनीतिक अलगाव की भावना को जन्म दे सकती है।

यह अध्ययन आधुनिक लोकतंत्रों में आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध की प्रकृति और ताकत की जांच करने का लक्ष्य रखता है। कई उन्नत लोकतांत्रिक देशों से प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय आंकड़ों का विश्लेषण करके, यह शोध यह पता लगाएगा कि क्या उच्च आर्थिक असमानता निम्न राजनीतिक विश्वास से संबंधित है और किन तंत्रों के माध्यम से असमानता राजनीतिक संस्थानों के प्रति जनता की धारणाओं को प्रभावित करती है। इसके अतिरिक्त, यह शोध कल्याणकारी कायक्रमों और पुनर्वितरण नीतियों जैसी संस्थागत प्रतिक्रियाओं की भूमिका का भी अध्ययन करेगा, जो आर्थिक असमानता के राजनीतिक विश्वास पर पड़ने वाले प्रभावों को कम कर सकती हैं।

साहित्य समीक्षा

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध हाल के वर्षों में विद्वानों के गहन अध्ययन का विषय रहा है। शोधकर्ताओं ने इस बात का विश्लेषण किया है कि अमीर और गरीब के बीच बढ़ता हुआ अंतर नागरिकों की राजनीतिक संस्थाओं की धारणा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी को किस प्रकार प्रभावित करता है। यह साहित्य समीक्षा आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के संबंध से जुड़े प्रमुख सैद्धांतिक ढांचे और व्यावहारिक निष्कर्षों को संक्षेप में प्रस्तुत करेगी, इस संबंध के संभावित कारणों और परिणामों की जांच करेगी।

1. राजनीतिक विश्वासः परिभाषा और महत्व

राजनीतिक विश्वास को आमतौर पर इस विश्वास के रूप में समझा जाता है कि राजनीतिक संस्थाएँ और उनके प्रतिनिधि सक्षम, विश्वसनीय हैं और जनहित में कार्य करते हैं। यह

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

लोकतांत्रिक वैधता का एक मौलिक घटक है, क्योंकि विश्वास नागरिकों की कानूनों का पालन करने, चुनावों में भाग लेने और नागरिक जीवन में सक्रिय रहने की इच्छा को बढ़ावा देता है। **हार्डिन (2002)** और **रॉथस्टीन व स्टोले (2003)** जैसे विद्वानों ने जोर दिया है कि राजनीतिक विश्वास लोकतांत्रिक शासन की स्थिरता और प्रभावशीलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उच्च राजनीतिक विश्वास नागरिकों और राज्य संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है, जबकि कम विश्वास राजनीतिक असंतोष, संशयवाद और सामाजिक अशांति को जन्म दे सकता है।

2. आर्थिक असमानताः परिभाषा और रुझान

आर्थिक असमानता समाज में आय और धन के असमान वितरण को संदर्भित करती है। **पिकेटी (2014)** आर **एटकिन्सन (2015)** ने विकसित और विकासशील देशों में बीते कुछ दशकों में आर्थिक असमानता के बढ़ते स्तरों का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत किया है। आय असमानता के सामाजिक एकता पर कई नकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं, जिनमें ध्रुवीकरण, सामाजिक तनाव और सामाजिक गतिशीलता के अवसरों में कमी शामिल है। **विल्किंसन और पिकेट (2009)** का तर्क है कि असमानता सामाजिक विश्वास को कमजोर करती है और स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र कल्याण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है, क्योंकि असमान समाजों में व्यक्ति यह महसूस करते हैं कि उनके सफल होने या संस्थाओं द्वारा निष्पक्ष रूप से व्यवहार किए जाने की संभावना कम है।

3. आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध स्थापित करने वाले सैद्धांतिक तंत्र

आर्थिक असमानता राजनीतिक विश्वास को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है, इसे समझाने के लिए कई सैद्धांतिक तंत्र प्रस्तावित किए गए हैं। सबसे प्रमुख सिद्धांतों में से एक यह है कि असमानता अन्याय और अनुचितता की धारणा को बढ़ावा देती है, जिसके कारण नागरिक उन राजनीतिक संस्थाओं पर अविश्वास करते हैं जो सामाजिक असमानताओं को बढ़ाने का काम करती प्रतीत होती हैं। **रॉथस्टीन और उसलेनर (2005)** के अनुसार, असमानता अलगाव की भावना पैदा कर सकती है, विशेष रूप से निम्न–आय वर्गों में, जो यह महसूस करते हैं कि राजनीतिक प्रणाली संपन्न वर्ग के पक्ष में है।

एक और महत्वपूर्ण तंत्र अत्यधिक असमान समाजों में सामाजिक एकता के क्षरण से जुड़ा है। **पुटनम (2000)** का तर्क है कि असमानता सामाजिक पूंजी (सहयोग को सुगम बनाने वाले संबंधों और साझा मानदंडों का नेटवर्क) को कम करती है। जिन समाजों में आय का अंतराल बड़ा होता है, वहाँ नागरिक एक–दूसरे पर या सामूहिक गतिविधियों में भाग लेने में कम विश्वास रखते हैं। सामाजिक पूंजी का यह क्षरण राजनीतिक संस्थानों पर विश्वास तक भी फैल सकता है, जिन्हें अक्सर सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को हल करने में विफल माना जाता है।

इसके अतिरिक्त, आर्थिक असमानता राजनीतिक शक्तिहीनता की भावना को बढ़ा सकती है। जब व्यक्ति यह महसूस करते हैं कि राजनीतिक प्रणाली शक्तिशाली अभिजात वर्ग या हित समूहों द्वारा

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

नियंत्रित है, तो वे राजनीतिक भागीदारी से पीछे हट सकते हैं और राजनीतिक प्रक्रियाओं के प्रति अधिक संशयपूर्ण हो सकते हैं। **बार्टल्स (2008)** के अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि आर्थिक अभिजात वर्ग का नीतियों पर असमान प्रभाव पड़ता है, जिससे आम नागरिकों के राजनीतिक प्रभाव में कमी महसूस होती है।

सैद्धांतिक ढांचा

यह अध्ययन राजनीतिक विज्ञान, समाजशास्त्र, और अर्थशास्त्र से जुड़े कई परस्पर संबंधित सिद्धांतों और अवधारणाओं पर आधारित है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि आर्थिक असमानता नागरिकों की राजनीतिक संस्थाओं की धारणा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी को किस प्रकार प्रभावित करती है। यह खंड आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध को समझाने वाले मुख्य सैद्धांतिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जिसमें संस्थागत विश्वास सिद्धांत, सामाजिक पूंजी सिद्धांत, आर्थिक असमानता के आर्थिक सिद्धांत, और राजनीतिक अलगाव शामिल हैं।

1. संस्थागत विश्वास और वैधता सिद्धांत

संस्थागत विश्वास इस अध्ययन के सैद्धांतिक ढांचे का केंद्रीय तत्व है। यह इस धारणा पर आधारित है कि लोकतांत्रिक शासन नागरिकों के विश्वास पर निर्भर करता है कि राजनीतिक संस्थाएँ वैध, निष्पक्ष, और जनहित में प्रभावी हैं। **ईस्टन (1965)** के राजनीतिक प्रणाली सिद्धांत के अनुसार, राजनीतिक विश्वास एक कार्यशील लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है, जो यह सुनिश्चित करता है कि नागरिक कानूनों और विनियमों का पालन करें, भले ही वे विशिष्ट नीतियों से असहमत हों। **रॉथस्टीन और स्टोले (2003)** के अनुसार, राजनीतिक विश्वास विशेष रूप से नागरिकों की राज्य संस्थानों की वैधता और प्रदर्शन की धारणा से प्रभावित होता है।

उच्च असमानता इस वैधता को कमजोर कर सकती है, क्योंकि इससे नागरिकों का विश्वास राजनीतिक प्रणालियों की निष्पक्षता में कम हो जाता है। **बीथाम (1991)** के अनुसार, वैधता इस धारणा पर आधारित है कि राजनीतिक संस्थाएँ साझा मानदंडों और सिद्धांतों के अनुसार कार्य करती हैं। अत्यधिक असमान समाजों में, जहाँ धन और शक्ति कुछ के हाथों में केंद्रित होती है, नागरिक यह महसूस कर सकते हैं कि राजनीतिक संस्थाएँ आम जनता के बजाय अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करती हैं, जिससे इन संस्थाओं में उनका विश्वास घट जाता है।

2. सामाजिक पूंजी और शासन में विश्वास

सामाजिक पूंजी की अवधारणा इस समझ में सहायक रही है कि असमानता राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती है। **पुटनम (2000)** ने सामाजिक पूंजी को समाज में आपसी लाभ के लिए सहयोग को बढावा देने वाले नेटवर्क, मानदंडों और विश्वास के रूप में परिभाषित किया है। उच्च असमानता वाले समाजों में, सामाजिक पूंजी अक्सर कमजोर हो जाती है, क्योंकि नागरिक वर्ग, आय और धन के आधार पर अधिक विभाजित हो जाते हैं। जब व्यक्ति यह महसूस करते हैं कि सामाजिक अनुबंध विफल हो रहा है या उनकी सामाजिक गतिशीलता के अवसर

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

संरचनात्मक असमानताओं द्वारा बाधित हैं, तो वे नागरिक गतिविधियों में भाग लेने या राजनीतिक प्रक्रियाओं पर विश्वास करने की संभावना कम रखते हैं।

आर्थिक असमानता के संदर्भ में, सामाजिक पूंजी सिद्धांत यह सुझाव देता है कि असमानता समाज को विभाजित कर सकती है, जिससे विभिन्न सामाजिक–आर्थिक वर्गों के बीच अविश्वास पैदा होता है। **उसलेनर (2002)** का तर्क है कि उच्च असमानता "सामान्यीकृत विश्वास" को कमजोर करती है, जहाँ लोग दूसरों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं और यह विश्वास कम हो जाता है कि सरकार उनके सर्वोत्तम हित में कार्य करेगी। सामाजिक पूंजी का यह क्षरण न केवल व्यक्तिगत विश्वास बल्कि राजनीतिक संस्थानों में विश्वास को भी कम कर देता है, क्योंकि नागरिक यह महसूस करते हैं कि प्रणाली उनकी चिंताओं को दूर करने में विफल है।

3. **आर्थिक असमानता और पुनर्वितरण के आर्थिक सिद्धांत**

आर्थिक असमानता के आर्थिक सिद्धांत राजनीतिक विश्वास के साथ इसके संबंध को समझने में अतिरिक्त अंतदृष्टि प्रदान करते हैं। **स्टिग्लिट्ज़ (2012)** और **पिकेटी (2014)** का तर्क है कि बढ़ती असमानता आर्थिक गतिशीलता को कम करती है और संपत्ति के संकेंद्रण को बढ़ाती है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं में सार्वजनिक विश्वास कम होता है। आर्थिक असमानता ऐसी स्थिति उत्पन्न करती है जहाँ राजनीतिक शक्ति असमान रूप से संपन्न वर्गों में केंद्रित हो जाती है, जिससे यह धारणा बनती है कि राजनीतिक प्रणाली पर अभिजात वर्ग का नियंत्रण है।

बार्टल्स (2008) ने पाया कि नीतिगत परिणाम अक्सर संपन्न अभिजात वर्ग के पक्ष में होते हैं, जिससे असमानता और अधिक गहरी हो जाती है और कम आय वर्गों में सरकार पर विश्वास कम होता है। आर्थिक दृष्टिकोण से, जब लोग यह महसूस करते हैं कि राजनीतिक संस्थाएँ उनकी आवश्यकताओं के प्रति असंवेदनशील हैं और मुख्य रूप से संपन्न वर्गों की सेवा करती हैं, तो वे राजनीतिक प्रणाली से विश्वास खो देते हैं। **एलेसिना और ला फेरारा (2005)** का तर्क है कि असमानता व्यक्तियों की निष्पक्षता और सामाजिक न्याय की भावना को कमजोर करती है, जिससे सरकार और साथी नागरिकों पर विश्वास में गिरावट आती है।

4. **राजनीतिक अलगाव और मोहभंग**

राजनीतिक अलगाव सिद्धांत यह समझने का एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान करता है कि आर्थिक असमानता कैसे राजनीतिक असंलग्नता और अविश्वास की भावनाओं को बढ़ा सकती है। **लिपसेट (1959)** ने राजनीतिक अलगाव की अवधारणा को उन मनोवैज्ञानिक दूरियों का वर्णन करने के लिए प्रस्तुत किया था जो व्यक्ति तब महसूस करते हैं जब वे राजनीतिक प्रणाली को अक्षम या अवैध मानते हैं। यह अलगाव विशेष रूप से हाशिए पर पड़े या निम्न–आय वर्गों में अधिक स्पष्ट होता है, जो यह महसूस करते हैं कि उनकी आवाज़ें नहीं सुनी जा रही हैं और राजनीतिक प्रणाली उनकी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन नहीं की गई है।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

आर्थिक असमानता अलगाव को बढ़ाती है, क्योंकि यह शक्तिहीनता और असमर्थता की भावनाएँ उत्पन्न करती है। जब नागरिक बढ़ती असमानता का अनुभव करते हैं और राजनीतिक संस्थानों को इन असमानताओं को दूर करने के लिए कोई कार्रवाई करते नहीं देखते, तो वे यह महसूस कर सकते हैं कि उनकी भागीदारी व्यर्थ है। **मिलर (1974)** ने कहा कि असमानता व्यापक राजनीतिक उदासीनता को जन्म द सकती है, क्योंकि व्यक्ति यह विश्वास करने लगते हैं कि राजनीति में उनकी भागीदारी धन और राजनीतिक शक्ति के वितरण को नहीं बदल सकती। परिणामस्वरूप, व्यक्ति नागरिक भागीदारी से पीछे हट सकते हैं, जिससे राजनीतिक विश्वास और अधिक कमजोर हो सकता है।

5. संस्थागत प्रतिक्रियाएँ और नीतिगत हस्तक्षेप

हालाँकि उच्च असमानता को आमतौर पर राजनीतिक विश्वास के लिए हानिकारक माना जाता है, लेकिन संस्थागत प्रतिक्रियाओं और पुनर्वितरण नीतियों की भूमिका इस संबंध को आकार देने में महत्वपूर्ण होती है। **एस्पिंग–एंडरसन (1990)** की कल्याणकारी राज्य टाइपोलॉजी यह बताती है कि विभिन्न संस्थागत ढाँचे असमानता के राजनीतिक विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव को कम कर सकते हैं। व्यापक कल्याणकारी प्रणालियों और प्रगतिशील कराधान वाले देशों में, नागरिक यह महसूस कर सकते हैं कि उनकी सरकार असमानताओं को कम करने और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है, जिससे राजनीतिक विश्वास बनाए रखा जा सकता है या यहाँ तक कि मजबूत किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, मजबूत कल्याणकारी राज्यों वाले देशों, जैसे स्कैंडिनेवियाई राष्ट्रों में, राजनीतिक विश्वास का स्तर अधिक होता है, भले ही वहाँ आर्थिक असमानता अपेक्षाकृत अधिक हो। यह सुझाव देता है कि सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देने वाली, गरीबी को कम करने वाली और एक सुरक्षा जाल प्रदान करने वाली नीतियाँ राजनीतिक संस्थानों में विश्वास के क्षरण को कम करने में सहायक हो सकती हैं। **गिलेंस (2005)** ने जोर दिया है कि सरकार में विश्वास बनाए रखने की संभावना तब अधिक होती है जब शासन की उत्तरदायीता का प्रमाण होता है कृ ऐसी नीतियाँ जो अभिजात वर्ग के बजाय बहुसंख्यक के हितों को दर्शाती हैं।

6. सैद्धांतिकढाँचे से प्रस्तावित परिकल्पनाएँ

उपरोक्त सैद्धांतिक दृष्टिकोणों के आधार पर, यह अध्ययन निम्नलिखित परिकल्पनाएँ प्रस्तावित करता है:

1. आर्थिक असमानता का राजनीतिक विश्वास के साथ नकारात्मक संबंध है: उच्च आर्थिक असमानता नागरिकों के राजनीतिक संस्थानों पर विश्वास को कम करती है, क्योंकि वे प्रणाली को अनुचित और अपनी आवश्यकताओं के प्रति असंवेदनशील मानते हैं।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

2. राजनीतिक अलगाव आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध को मध्यस्थता करता हैः असमानता राजनीतिक अलगाव की भावना पैदा करती है, जो राजनीतिक विश्वास में गिरावट में योगदान देती है।
3. संस्थागत प्रतिक्रियाएँ, जैसे कल्याणकारी नीतियाँ और प्रगतिशील कराधान, असमानता के राजनीतिक विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव को कम करती हैंः मजबूत कल्याणकारी नीतियों और पुनर्वितरण तंत्र वाले समाजों में, उच्च आर्थिक असमानता के बावजूद अविश्वास का स्तर कम हो सकता है।
4. सामाजिक पूंजी एक संशोधक भूमिका निभाती हैः उच्च आर्थिक असमानता सामाजिक पूंजी को कमजोर करती है, जो नागरिकों और राजनीतिक संस्थानों दोनों में विश्वास को कम करती है।

वर्तमान विधियाँ

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा है, और इसे अध्ययन करने के लिए प्रयुक्त विधियाँ पिछले कुछ दशकों में काफी विकसित हुई हैं। शोधकर्ता इस संबंध का पता लगाने के लिए विभिन्न मात्रात्मक और गुणात्मक विधियों का उपयोग करते हैं, जिनमें क्रॉस–सेक्शनल और दीर्घकालिक सर्वेक्षण, उन्नत अर्थमितीय मॉडलिंग और प्रायोगिक डिज़ाइन शामिल हैं। इस खंड में, हम साहित्य में प्रयुक्त कुछ हालिया और व्यापक रूप से अपनाई गई विधियों की समीक्षा करते हैं, उनकी ताकत, सीमाएँ और आर्थिक असमानता के राजनीतिक विश्वास पर प्रभाव का अध्ययन करने में उनके अनुप्रयोग पर प्रकाश डालते हैं।

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के संबंध का अध्ययन करने की हाल की विधियाँ

1. **अंतर–राष्ट्रीय तुलनात्मक विश्लेषण**

   आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध का अध्ययन करने के लिए सबसे सामान्य दृष्टिकोणों में से एक अंतर–राष्ट्रीय तुलनात्मक विश्लेषण है। इस विधि के तहत विभिन्न देशों में राजनीतिक विश्वास और असमानता की तुलना की जाती है ताकि विभिन्न राजनीतिक संदर्भों में पैटर्न और परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जा सके। शोधकर्ता अक्सर वर्ल्ड वैल्यू सर्वे (World Values Survey), यूरोबैरोमीटर (Eurobarometer) या यूरोपीय सामाजिक सर्वेक्षण (European Social Survey) जैसे बड़े पैमाने के सर्वेक्षणों का उपयोग करते हैं, जो कई देशों में राजनीतिक विश्वास, असमानता और सामाजिक–आर्थिक चर पर समंक प्रदान करते हैं।

   - **सामर्थ्यः** यह विधि विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों में संबंध की जाँच करने और व्यापक तथा विविध संदर्भों में सामान्य निष्कर्ष निकालने की अनुमति देती है।यह वैश्विक प्रवृत्तियों और क्षेत्रीय भिन्नताओं की पहचान करने में सहायक है।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

- **सीमाएँ**:ये अध्ययन प्रायः विपरीत अनुभागीय होते हैं, जो कारणात्मक संबंध स्थापित करने की क्षमता को सीमित करते हैं।ये विशिष्ट ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, या संस्थागत कारकों जैसे संदर्भात्मक चर को समायोजित करने में चुनौतियों का सामना करते हैं।

उदाहरणः नैक और कीफर (1997) ने अंतर–राष्ट्रीय तुलनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करके यह विश्लेषण किया कि आय असमानता और अवसरों की असमानता सामाजिक विश्वास (जो राजनीतिक विश्वास से निकटता से संबंधित है) को कैसे प्रभावित करती है। उन्होंने पाया कि उच्च असमानता का संबंध विभिन्न देशों में निम्न स्तर के विश्वास से था, जहाँ सामाजिक पूंजी एक महत्वपूर्ण मध्यस्थ कारक के रूप में कार्य कर रही थी।

2. **दीर्घकालिकसमंक विश्लेषण**

दीर्घकालिक अध्ययन यह समझने के लिए उपयोगी होते हैं कि समय के साथ आर्थिक असमानता में होने वाले परिवर्तन राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करते हैं। ये अध्ययन लंबे समय तक एक ही व्यक्तियों या देशों पर नज़र रखते हैं, जिससे कारण–प्रभाव संबंधो का अधिक मजबूत विश्लेषण संभव होता है।

- **सामर्थ्य**:यह विधि समय–क्रम में संबंधों को समझने और कारणात्मक संबंध स्थापित करने में सक्षम बनाती है।यह व्यक्तिगत स्तर के परिवर्तनों (जैसे आय में उतार–चढ़ाव, रोजगार हानि, या राजनीतिक विचारों में बदलाव) को शामिल कर सकती है, जो असमानता के विश्वास पर प्रभाव को गहराई से समझने में मदद करती है।
- **सीमाएँ**:दीर्घकालिक अध्ययन में उच्च लागत और पैनल समंक सेट तक पहुंच की आवश्यकता होती है, जैसे जर्मन सामाजिक–आर्थिक पैनल (SOEP), ब्रिटिश हाउसहोल्ड पैनल सर्वे (BHPS) या यू.एस. जनरल साशल सर्वे (GSS)।सहायक चर (Confounding Variables) को नियंत्रित करना और विभिन्न समय अवधियों में मॉडल की मजबूती सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

उदाहरणः एलेसीना और ला फेरारा (2005) ने दीर्घकालिक समंक का उपयोग करके अमेरिका और यूरोप में आर्थिक असमानता के सामाजिक विश्वास पर प्रभाव का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि असमानता, विशेष रूप से क्षेत्रों के भीतर, दूसरों और संस्थानों में विश्वास के निम्न स्तर से नकारात्मक रूप से जुड़ी हुई थी।

3. **अर्थमितीय मॉडल और संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग**

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच जटिल संबंधों का अध्ययन करने के लिए उन्नत अर्थमितीय तकनीकों, जैसे रिग्रेशन विश्लेषण, इंस्ट्रूमेंटल वेरिएबल्स (IV) का अनुमान और संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग (SEM), का उपयोग किया जाता है।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

- **सामर्थ्य**: ये मॉडल अंतर्जातता (Endogeneity) की समस्या को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जो असमानता और राजनीतिक विश्वास के अध्ययन में आम है (जैसे, विपरीत कारणात्मकता या छोड़े गए चर)।ये मॉडल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभावों की जाँच करने की अनुमति देते हैं, जिससे असमानता और विश्वास के बीच संबंध को मध्यस्थ करने वाले तंत्रों का अध्ययन करना संभव होता है।
- **सीमाएँ**: इंस्ट्रूमेंटल वेरिएबल्स औरसंरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग (SEM) पर आधारित मॉडल के लिए मान्य उपकरणों (Valid Instruments) और अंतर्निहित कारणात्मक संरचना (Causal Structure) की पहचान पर निर्भरता होती है।ये विधियाँ बड़े नमूने के आकार और सावधानीपूर्वक मॉडल विनिर्देशन की आवश्यकता होती हैं।

उदाहरण: रॉथस्टीन और उसलेनर (2005) ने अर्थमितीय मॉडल का उपयोग यह परीक्षण करने के लिए किया कि आर्थिक असमानता राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती है।

उन्होंने पाया कि असमानता का राजनीतिक विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा, और यह प्रभाव संस्थानों की धारित निष्पक्षता और शासन की गुणवत्ता के माध्यम से मध्यस्थता किया गया।

4. **बहु–स्तरीय मॉडलिंग**

बहुस्तरीय मॉडलिंग (एमएलएम), जिसे पदानुक्रमित रैखिक मॉडलिंग (एचएलएम) के रूप में भी जाना जाता है, राजनीतिक विश्वास और असमानता के अध्ययन में विशेष रूप से दोहराए गए समंक संरचनाओं की जांच के समय तेजी से उपयोग की जा रही है। उदाहरण के लिए, व्यक्ति क्षेत्रों या देशों के भीतर घोंसले में होते हैं, और इन स्तरों का राजनीतिक विश्वास पर अलग–अलग प्रभाव हो सकता है। एमएलएम शोधकर्ताओं को व्यक्तिगत–स्तरीय कारकों (जैसे, आय, शिक्षा) और संदर्भ–स्तरीय कारकों (जैसे, राष्ट्रीय असमानता, संस्थागत गुणवत्ता) दोनों को ध्यान में रखने की अनुमति देता है।

- **सामर्थ्य**: यह विधि व्यक्तिगत और संदर्भात्मक कारकों के बीच अंतःक्रियाओं की जाँच करने की अनुमति देती है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि राजनीतिक विश्वास को आकार देने में मैक्रो–स्तरीय और सूक्ष्म–स्तरीय चर की सापेक्ष भूमिका क्या है।यह समंक की पदानुक्रमित संरचना को ध्यान में रखती है, जिससे मॉडल की सटीकता और सटीकता बढ़ती है।
- **सीमाएँ**: बहु–स्तरीय मॉडलिंग के लिए सावधानीपूर्वक समंक तैयारी की आवश्यकता होती है और यह कई स्तरों या चर को शामिल करने पर गणनात्मक रूप से जटिल हो सकती है।जब अंतःक्रिया प्रभाव शामिल होते हैं, तो परिणामों की व्याख्या चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

उदाहरण: हेल्लोवेल एट अल. (2016) ने बहु–स्तरीय मॉडलों का उपयोग यह पता लगाने के लिए किया कि व्यक्तिगत आय और राष्ट्रीय आय असमानता दोनों विभिन्न देशों में सामाजिक

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

विश्वास को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने पाया कि व्यक्तिगत आय का विश्वास पर सकारात्मक प्रभाव था, जबकि राष्ट्रीय असमानता निम्न स्तर के विश्वास से निरंतर रूप से जुड़ी हुई थी।

5. **प्रायोगिक और सर्वेक्षण–आधारित दृष्टिकोण**
हालाँकि असमानता–विश्वास साहित्य में प्रयोग (फील्ड और लैब दोनों) कम सामान्य हैं, लेकिन आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास को जोड़ने वाले कारणात्मक तंत्रो का अध्ययन करने के लिए उनका उपयोग बढ़ रहा है।

- **सामर्थ्य**:प्रयोगीय दृष्टिकोण एक नियंत्रित वातावरण में कारण–प्रभाव संबंध का अधिक प्रत्यक्ष परीक्षण करने की अनुमति देते हैं।ये विशिष्ट तंत्रों (जैसे, अन्याय या अभिजात वर्ग के कब्जे की धारणा) को अलग करने और उनकी भूमिका को स्पष्ट करने में सहायक होते हैं।
- **सीमाएँ**:प्रयोगात्मक निष्कर्षों में बाहरी वैधता की कमी हो सकती है, क्योंकि प्रयोगशालाएँ या क्षेत्र सेटिंग्स वास्तविक दुनिया के संदर्भों का पूरी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं कर सकतीं।असमानता या विश्वास की धारणाओं को जोड़ने में नैतिक चिंताएँ उठ सकती हैं।

उदाहरण: फिसमैन एट अल. (2017) ने कनाडा में एक फील्ड प्रयोग किया, जिसमें उन्होंने अध्ययन किया कि आर्थिक असमानता की धारणा व्यक्तियों के राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती है। उन्होंने पाया कि बढ़ती असमानता की जानकारी प्राप्त करने पर निम्न–आय प्रतिभागियों में सरकार पर विश्वास कम हो गया।

6. **केस अध्ययन दृष्टिकोण**
हालाँकि राजनीतिक विश्वास और आर्थिक असमानता के अध्ययन में मात्रात्मक विधियाँ प्रमुख हैं, लेकिन गुणात्मक केस अध्ययन इन चर के बीच संबंध को आकार देने वाले अंतर्निहित तंत्रों और संदर्भ कारकों की खोज के लिए मूल्यवान हैं।

- **सामर्थ्य**: केस अध्ययन ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संस्थागत कारकों पर गहरी अंतदृष्टि प्रदान करते हैं।यह विशेष संदर्भ–विशिष्ट गतिशीलता और असमानता के प्रति संस्थागत प्रतिक्रियाओं की भूमिका को समझने के लिए सहायक हैं।
- **सीमाएँ**: केस अध्ययन के निष्कर्ष अन्य संदर्भों पर सामान्यीकरण योग्य नहीं हो सकते।ये संसाधन–गहन होते हैं और शोधकर्ता के पूर्वाग्रहों से प्रभावित हो सकते हैं।

उदाहरण: मिलानोविक (2016) ने मिस्र और ट्यूनीशिया जैसे देशों में चरम असमानता पर एक केस अध्ययन किया और यह विश्लेषण किया कि कैसे इसने राजनीतिक विश्वास को कमजोर किया और अरब स्प्रिंग के दौरान विद्रोहों में योगदान दिया।

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के संबंध का अध्ययन करने के लिए विधियों की विविधता विद्वानों को इस जटिल मुद्दे पर गहराई से समझने में सक्षम बनाती है। विभिन्न विधियों का

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

संयोजन कारण–प्रभाव की जाँच, संदर्भात्मक कारकों का मूल्यांकन और विस्तृत परिणाम प्राप्त करने में सहायक है।

विषय का महत्व

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध का गहन अध्ययन लोकतांत्रिक प्रणालियों की स्थिरता, वैधता और कार्यक्षमता के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। वैश्विक परिदृश्य में बढ़ती आर्थिक असमानता और राजनीतिक मोहभंग के बीच, यह समझना कि ये दोनों महत्वपूर्ण कारक कैसे परस्पर क्रिया करते हैं, पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। यह खंड आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास क बीच संबंध की जांच के महत्व को उजागर करता है, विशेष रूप से इसके राजनीतिक विज्ञान, सार्वजनिक नीति, लोकतांत्रिक शासन और सामाजिक एकता के लिए महत्व को रेखांकित करता है।

1. **लोकतांत्रिक वैधता पर प्रभाव**

   आधुनिक लोकतंत्रों के केंद्र में वैधता की अवधारणा निहित है–यह विश्वास कि राजनीतिक सत्ता न्यायसंगत है और सरकारें सभी नागरिकों के सर्वोत्तम हित में कार्य करती हैं। राजनीतिक विश्वास इस वैधता का एक अभिन्न हिस्सा है। कम राजनीतिक विश्वास लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर कर सकता है, जिससे राजनीतिक निर्णयों की स्वीकृति में कमी, नागरिक सहभागिता में गिरावट, और राजनीतिक उदासीनता या अलगाव बढ़ सकता है।

   आर्थिक असमानता को राजनीतिक विश्वास में गिरावट का एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है, विशेष रूप से उन समाजों में जहां अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ रही है। जब असमानता को गहराई से जड़ जमाए हुए और सामाजिक प्रगति के अवसरों में कमी के रूप में देखा जाता है, तो नागरिक राजनीतिक संस्थानों की निष्पक्षता और उत्तरदायित्व पर विश्वास खो सकते हैं। यह उस सामाजिक अनुबंध को कमजोर करता है जो लोकतांत्रिक वैधता का आधार है।

   यह समझना कि आर्थिक असमानता कैसे विश्वास को कम करती है, लोकतांत्रिक स्थिरता को बनाए रखने और वैधता के संकटों से बचने के लिए अत्यंत आवश्यक है, जो राजनीतिक ध्रुवीकरण या यहां तक कि लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के अस्थिर होने का कारण बन सकते हैं।

2. **राजनीतिक ध्रुवीकरण और सामाजिक एकता**

   जैसे–जैसे असमान समाजों में राजनीतिक विश्वास कमजोर होता है, सामाजिक ताना–बाना बिखरने लगता है। आर्थिक असमानता न केवल धन के अंतर को बढ़ाती है, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी प्रोत्साहित करती है। उच्च स्तर की असमानता ऐसे हालात पैदा करती है, जिसमें राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ता है, जहां समाज के विभिन्न वर्ग–अक्सर आर्थिक आधार पर विभाजित–एकदूसरे के साथ सहयोग, समझौता या विश्वास करने के लिए कम तैयार होते हैं।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

जब आर्थिक असमानता को राजनीतिक शक्ति तक असमान पहुंच से जुड़ा हुआ माना जाता है, तो सबसे वंचित वर्ग खुद को राजनीतिक रूप से अलग–थलग महसूस कर सकते हैं, जिससे राजनीतिक उदासीनता का एक दुष्चक्र पैदा हो सकता है। यह बदले में सामाजिक विखंडन को बढ़ा सकता है, जिससे सरकारों के लिए विविध आबादी की जरूरतों को पूरा करने वाली नीतियों को लागू करना कठिन हो जाता है।

असमानता के राजनीतिक विश्वास में भूमिका का विश्लेषण करके, शोधकर्ता यह समझ सकते हैं कि बढ़ते विभाजन राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को कैसे प्रभावित करते हैं। यह समाज के भीतर विभाजनों को पाटने की संभावनाओं के बारे में महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है।

3. **राजनीतिक भागीदारी और मतदाता व्यवहार पर प्रभाव**

आर्थिक असमानता के कारण होने वाली राजनीतिक विश्वास में गिरावट का सीधा प्रभाव राजनीतिक भागीदारी पर पड़ता है। राजनीतिक विश्वास के निम्न स्तर अक्सर मतदाता उपस्थिति में कमी, पार्टी से जुड़ाव में गिरावट, और नागरिक समाज में कम भागीदारी से जुड़े होते हैं। उन समाजों में जहां असमानता अधिक है, विशेषकर जब यह नस्ल, लिंग या अन्य पहचान संबंधी कारकों से जुड़ती है, हाशिए पर पड़े समूहों को यह महसूस हो सकता है कि उनके मत और आवाज़ का कोई महत्व नहीं है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी और भी कम हो जाती है।

इस संबंध को समझना लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने और एक अधिक समावेशी राजनीतिक प्रणाली को प्रोत्साहित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पहचान कर कि असमानता विश्वास को कैसे प्रभावित करती है, नीति–निर्माता ऐसे उपाय तैयार कर सकते हैं जो अधिक राजनीतिक भागीदारी को प्रोत्साहित करें, वंचित वर्गों के हक को सुनिश्चित करें, और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को पुनः स्थापित करें। इसमें पारदर्शिता बढ़ाने, भ्रष्टाचार को कम करने और सामाजिक–आर्थिक असमानताओं को दूर करने वाली नीतियां शामिल हो सकती हैं, ताकि एक अधिक न्यायपूर्ण राजनीतिक वातावरण बनाया जा सके।

4. **असमानता को संबोधित करने और विश्वास को मजबूत करने के लिए नीतिगत प्रभाव**

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच का संबंध नीतियो के विकास के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। जैसे–जैसे राजनीतिक संस्थानों में विश्वास घटता है, वैसे–वैसे असमानता को दूर करने के उद्देश्य से बनाए गए सरकारी प्रयासों, जैसे प्रगतिशील कराधान, कल्याणकारी कार्यक्रमों और सामाजिक सुरक्षा तंत्रों के लिए समर्थन भी घटता है। जब नागरिक अपनी सरकार पर से विश्वास खो देते हैं, तो वे पुनर्वितरण संबंधी नीतियों को अप्रभावी या अनुचित मान सकते हैं, जिससे असमानता को कम करने में इन नीतियों की प्रभावशीलता कमजोर हो जाती है।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

दूसरी ओर, जब नीतियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और उत्तरदायी माना जाता है, तो ये नीतियां अपेक्षाकृत उच्च असमानता वाले समाजों में भी राजनीतिक विश्वास को बढ़ा सकती हैं। कल्याणकारी नीतियां, प्रगतिशील कराधान, और सार्वजनिक सेवाओं (जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, आवास) में निवेश, असमानता के सामाजिक प्रभावों को कम करने और राजनीतिक संस्थानों में विश्वास को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकते हैं।

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच की गतिशीलता को समझना ऐसी नीतिगत रूपरेखाओं को तैयार करने के लिए आवश्यक है, जो न केवल आर्थिक असमानताओं को दूर करें, बल्कि राजनीतिक वैधता को भी पुनः स्थापित और सुदृढ़ करें।

5. **शासन और सार्वजनिक विश्वास पर प्रभाव**

राजनीतिक विश्वास यह दर्शाने का एक मुख्य संकेतक है कि सरकार को कितना प्रभावी माना जा रहा है और क्या वह सार्वजनिक सेवक के रूप में अपनी भूमिका निभा रही है। जैसे–जैसे दुनियाभर की सरकारें जनवादी आंदोलनों, सामाजिक अशांति और सार्वजनिक विश्वास में गिरावट जैसी बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही हैं, कम राजनीतिक विश्वास के मूल कारणों को समझना शासन में सुधार के लिए अत्यंत आवश्यक है।

एक सरकार जो पुनर्वितरण नीतियों के माध्यम से असमानता को कम करने और अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करती है, वह अपनी संस्थाओं में अधिक विश्वास उत्पन्न कर सकती है। दूसरी ओर, जो सरकारें असमानता को दूर करने में असफल रहती हैं या ऐसी नीतियों के माध्यम से इसे बढ़ावा देती प्रतीत होती हैं, जो मुख्यतः संपन्न वर्ग को लाभ पहुंचाती हैं, वे विश्वास में गिरावट का कारण बन सकती हैं।

असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच के संबंध को समझकर, नीति–निर्माता ऐसे सुधारों को प्राथमिकता दे सकते हैं जो न केवल आर्थिक परिस्थितियों में सुधार करें, बल्कि राजनीतिक संस्थाओं और शासन में सार्वजनिक विश्वास को भी मजबूत करें।

6. **वैश्विक महत्व और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव**

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच का संबंध किसी एक देश या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका वैश्विक महत्व है। जैसे–जैसे असमानता उन्नत लोकतंत्रों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं दोनों में बढ़ रही है, यह समझना आवश्यक हो जाता है कि ये प्रवृत्तियां राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती हैं, ताकि विश्व स्तर पर लोकतंत्र को बनाए रखा जा सके। यह विषय विशेष रूप से उस संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जहा बढ़ता हुआ लोकलुभावनवाद और सत्तावाद आर्थिक असमानता और घटते राजनीतिक विश्वास से उपजे असंतोष का लाभ उठाकर समर्थन हासिल करते हैं।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

इस विषय पर तुलनात्मक शोध सार्वभौमिक प्रवृत्तियों को उजागर कर सकता है, साथ ही यह भी दिखा सकता है कि विभिन्न राजनीतिक प्रणालियां और सांस्कृतिक संदर्भ असमानता के प्रभावों को किस प्रकार नियंत्रित करते हैं। अंतरराष्ट्रीय डेटा का उपयोग करके, विद्वान यह पहचान सकते हैं कि ऐसी नीतिगत हस्तक्षेप कौन–सी हैं, जो बढ़ती असमानता के बावजूद राजनीतिक विश्वास को बनाए रखने या फिर से स्थापित करने में प्रभावी रही हैं। इससे उन देशों के लिए मूल्यवान सबक मिल सकते हैं, जो इन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

7. **मीडिया और सार्वजनिक धारणा की भूमिका**

आज के डिजिटल युग में, मीडिया राजनीतिक संस्थानों, आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बारे म जनधारणाओं को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया असमानता और शासन के मुद्दों पर चर्चा के लिए एक प्रमुख मंच बन गया है। मीडिया के माध्यम से राजनीतिक मुद्दों का प्रस्तुतिकरण–चाहे वह समाचार माध्यमों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, या राजनीतिक विज्ञापनों के माध्यम से हो, न्याय, वैधता और विश्वास के प्रति जनता की धारणाओं को प्रभावित कर सकता है।

इस बात का अध्ययन करके कि असमानता पर आधारित मीडिया कथाएँ सार्वजनिक विश्वास को कैसे आकार देती हैं, शोधकर्ता यह समझने में मदद कर सकते हैं कि मीडिया असमानता के राजनीतिक विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव को या तो बढ़ा सकता है या कम कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि मीडिया नीतियों को प्रभावित करने में संपन्न वर्ग की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है, या पुनर्वितरण नीतियों के लाभों को उजागर करता है, तो यह इस बात को प्रभावित कर सकता है कि नागरिक राजनीतिक संस्थानों की वैधता और राजनीतिक प्रणाली की निष्पक्षता को कैसे देखते हैं।

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध का अध्ययन लोकतांत्रिक प्रणालियों की स्थिरता, सामाजिक एकता, और नीतिगत प्रभावशीलता को समझने के लिए आवश्यक है। यह न केवल सार्वजनिक नीतियों और राजनीतिक सुधारों को आकार देने में मदद करता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्र को संरक्षित करने के लिए भी प्रासंगिक है। इस विषय पर ध्यान केंद्रित करने से यह स्पष्ट होता है कि असमानता और विश्वास को संबोधित करने वाली रणनीतियाँ लोकतांत्रिक संस्थानों की वैधता और स्थिरता को कैसे मजबूत कर सकती हैं।

सीमाएँ और कमियाँ

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के संबंध का अध्ययन लोकतांत्रिक प्रणालियों की कार्यक्षमता और स्थिरता को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस विषय पर शोध कई कार्यप्रणालीगत, सैद्धांतिक, और संदर्भगत चुनौतियों का सामना करता है। इन सीमाओं और कमियों को समझना प्राप्त निष्कर्षों की व्याख्या करने और भविष्य के अध्ययनों को डिजाइन करने में सहायक हो सकता है। इस खंड में, इस शोध से संबंधित प्रमुख सीमाओं और कमियों को रेखांकित किया गया है।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

1. **कारणात्मक अस्पष्टता और असाधारणता**
आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित करना एक प्रमुख चुनौती है। यह स्पष्ट करना कठिन है कि क्या असमानता राजनीतिक विश्वास में गिरावट का कारण है, या क्या राजनीतिक संस्थाओं में विश्वास की कमी असमानता बढ़ाने में योगदान करती है।

- **विपरीतकारणात्मकता:** राजनीतिक विश्वास असमानता के स्तर को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि राजनीतिक असंलग्नता ऐसी सरकारों को चुनने का कारण बन सकती है जो जवाबदेह न हों और असमानता को बढ़ावा दें। यह एक द्विपक्षीय संबंध (Mutually reinforcing relationship) बनाता है, जहाँ असमानता और विश्वास एक–दूसरे को प्रभावित करते हैं।
- **छूटे हुए चर पूर्वाग्रह:** कुछ अवलोकनीय कारक–जैसे आर्थिक संकट, राजनीतिक भ्रष्टाचार, या शासन में परिवर्तन–असमानता और राजनीतिक विश्वास दोनों को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे वास्तविक संबंध विकृत हो सकता है।
- **चयन पूर्वाग्रह:** अंतर–राष्ट्रीय या दीर्घकालिक अध्ययनों में चयनित देश या व्यक्ति व्यापक जनसंख्या का पूर्ण प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते, जिससे परिणाम विकृत हो सकत हैं। उदाहरण के लिए, कम असमानता वाले देश पहले से ही उच्च राजनीतिक विश्वास के स्तर का प्रदर्शन कर सकते हैं, जो विश्लेषण को भ्रमित कर सकता है।

शोधकर्ता अक्सर इंस्ट्रूमेंटल वेरिएबल**(IV)** तकनीक या दीर्घकालिक समंक का उपयोग करते हैं ताकि सहायक कारकों को नियंत्रित किया जा सके और कारणात्मक दिशा स्थापित की जा सके। हालांकि, ये विधियाँ भी अपनी सीमाओं और मान्य उपकरणों की उपलब्धता पर निर्भर होती हैं।

2. **मापन से जुड़ी समस्याएँ**
आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास दानों को मापने में कई चुनौतियाँ होती हैं:

1. **आर्थिक असमानता:** गिनी गुणांक और आय शेयर अनुपात जैसे स्थापित संकेतक केवल आय और धन वितरण को मापते हैं। ये असमानता के अन्य आयामों, जैसे शक्ति, शिक्षा, या स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच की असमानता को शामिल नहों करते। इसके अलावा, विभिन्न समाजों में असमानता की अभिव्यक्ति अलग–अलग हो सकती है, जिससे देशों के बीच तुलना करना कठिन हो जाता है।

2. **राजनीतिक विश्वास:** राजनीतिक विश्वास एक स्वाभाविक रूप से व्यक्तिपरक और बहुआयामी अवधारणा है। यह राजनीतिक संस्थानों, सरकारी अधिकारियों, और समग्र प्रणाली की निष्पक्षता की व्यक्तियों की धारणाओं पर निर्भर करता है। यह विभिन्न संदर्भों (जैसे,

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

संस्थागत प्रभावशीलता, राजनीतिक घोटाले, मीडिया कवरेज) के आधार पर व्यापक रूप से भिन्न हो सकता है।

सर्वेक्षण समंक अक्सर प्रतिक्रिया पूर्वाग्रहों (Response Biases) से ग्रस्त होता है, जैसे सामाजिक मान्यता पूर्वाग्रह (Social Desirability Bias) या आत्म–रिपोर्ट पूर्वाग्रह (Self-report Bias)।राजनीतिक विश्वास क अप्रत्यक्ष और सूक्ष्म रूपों (जैसे, संस्थागत विश्वास बनाम नेताओं में विश्वास) को मापना कठिन हो सकता है।

3. **संदर्भगत और संस्थागत भिन्नताएँ**
आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध संदर्भगत कारकों, जैसे संस्थागत संरचनाओं, ऐतिहासिक विरासतों, और सांस्कृतिक मानदंडों द्वारा आकारित हो सकता है।

1. **संस्थागत संरचनाः** राजनीतिक प्रणालियाँ, चुनावी नियम, और शासन संरचनाएँ इस संबंध को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, बहुसंख्यक प्रणाली (Majoritarian Systems) असमानता को बढ़ा सकती है, जबकि आनुपातिक प्रणाली (Proportional Systems) इसके प्रभावों को कम कर सकती है।
2. **ऐतिहासिक कारकः** जिन समाजों में लंबे समय से असमानता या राजनीतिक दमन का इतिहास रहा है, वहाँ राजनीतिक विश्वास के पैटर्न उन समाजों से अलग हो सकते हैं जो हाल ही में लोकतांत्रिक बने हैं।
3. **आर्थिक संदर्भः** आर्थिक स्थितियाँ, जैसे एक उभरता हुआ मध्यम वर्ग, कल्याणकारी नीतियाँ, या प्रौद्योगिकी में बदलाव, यह तय कर सकते हैं कि असमानता राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती है।

यह विविधता विभिन्न राजनीतिक प्रणालियों और सांस्कृतिक संदर्भों में असमानता के प्रभावों पर व्यापक निष्कर्ष निकालना कठिन बना देती है। तुलनात्मक विश्लेषण को इन भिन्नताओं को ध्यानपूर्वक समायोजित करना चाहिए ताकि भ्रामक निष्कर्षों से बचा जा सके।

4. **समग्र संकेतकों पर अत्यधिक ध्यान**
अधिकांश शोध आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास को मापने के लिए समग्र उपायों(Aggregate Measures) का उपयोग करते हैं, जैसे गिनी गुणांक। हालांकि, ये उपाय असमानता और विश्वास के जटिल आयामों को अक्सर अधिक सरल बना देते हैं।

- **समूह–आधारित असमानताः** आर्थिक असमानता का प्रभाव विशेष जनसांख्यिकीय या सामाजिक–आर्थिक समूहों (जैसे निम्न–आय वर्ग, नस्लीय अल्पसंख्यक, महिलाएँ) द्वारा अधिक तीव्रता से महसूस किया जा सकता है। समग्र उपाय इन अंतर्संबंधित असमानताओं की उपेक्षा कर सकते हैं।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

- **व्यक्तिगत धारणाएँ**: असमानता के प्रति व्यक्तियों की धारणा (जैसे, निष्पक्षता, सापेक्ष अभाव, और सामाजिक गतिशीलता) असमानता के वस्तुनिष्ठ स्तर की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

इस विषय पर साहित्य अक्सर उन व्यक्तिपरक अनुभवों की अनदेखी करता है जो सीधे राजनीतिक दृष्टिकोण को आकार देते हैं।

5. समय–सीमाएँ और समंक अंतराल

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के संबंध का अध्ययन अक्सर उन समंक की उपलब्धता द्वारा सीमित होता है, जो समय के साथ इन दोनों कारकों को ट्रैक करते हैं।

- **समयगत गतिशीलता**: राजनीतिक विश्वास और असमानता गतिशील हैं, और उनका संबंध समय के साथ आर्थिक या राजनीतिक परिस्थितियों (जैसे, आर्थिक वृद्धि, वित्तीय संकट, या राजनीतिक नेतृत्व में बदलाव) के जवाब में विकसित हो सकता है।
- **विकासशील देशों में समंक की कमी**: निम्न और मध्यम–आय वाले देशों में असमानता और राजनीतिक विश्वास पर विश्वसनीय समंक अक्सर अनुपलब्ध या असंगत होता है।

यहसमंक अंतराल उन अध्ययनों को सीमित करता है जो विविध राजनीतिक और आर्थिक संदर्भों को शामिल करना चाहते हैं।

6. जटिल संबंधों का सरलीकरण

असमानता और राजनीतिक विश्वास को अक्सर साहित्य में द्विआधारी या रैखिक संबंधों के रूप में माना जाता है, लेकिन इनके बीच की गतिशीलता कहीं अधिक जटिल हो सकती है। अन्य कारक–जैसे राजनीतिक विचारधारा, पक्षपात, मीडिया उपभोग, और संस्थानों पर विश्वास–असमानता के राजनीतिक विश्वास पर प्रभाव को मध्यस्थ या संशोधित कर सकते हैं।

- **मध्यस्थ चर**:राजनीतिक संस्कृति, सामाजिक आंदोलनों, या आर्थिक अपेक्षाओं जैसे कारक इस बात को प्रभावित कर सकते हैं कि असमानता राजनीतिक विश्वास को कैसे प्रभावित करती है। उदाहरण के लिए, ऐसे समाज में जहाँ एक मजबूत नागरिक समाज या सक्रिय सामाजिक आंदोलन मौजूद हों, असमानता के बावजूद राजनीतिक संस्थानों पर विश्वास कम क्षीण हो सकता है, यदि परिवर्तन के लिए एक संभावित मार्ग दिखाई देता हो।
- **सीमांत प्रभाव**:असमानता का राजनीतिक विश्वास पर प्रभाव रैखिक नहीं हो सकता है। असमानता में छोटे वृद्धि का प्रभाव बड़े अंतराल के समान नहीं हो सकता है, और इसका प्रभाव मौजूदा विश्वास के स्तर और संस्थागत वैधता पर निर्भर कर सकता है। सरल मॉडलों में अक्सर सीमा प्रभावों (Threshold Effects) की अनदेखी की जाती है।

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

निष्कर्ष

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास के बीच संबंध जटिल होने के साथ–साथ आधुनिक लोकतंत्रों के स्वास्थ्य और कायप्रणाली को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैसे–जैसे दुनिया के कई हिस्सों में असमानता बढ़ रही है, इसका राजनीतिक विश्वास पर प्रभाव विद्वानों, नीति निर्माताओं, और नागरिकों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय बनता जा रहा है। यह संबंध लोकतांत्रिक वैधता, सामाजिक सामंजस्य, राजनीतिक भागीदारी, और नीतिगत प्रभावशीलता पर व्यापक प्रभाव डालता है। शोध के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि जब आर्थिक असमानता अत्यधिक या अन्यायपूर्ण प्रतीत होती है, तो यह सार्वजनिक राजनीतिक संस्थानों पर विश्वास को कम करती है और लोकतांत्रिक प्रक्रियाआ को कमजोर करती है।

हालाँकि, इस संबंध का अध्ययन सरल नहीं है। कारणात्मक अस्पष्टता, मापन संबंधी समस्याओं, संदर्भगत विविधताओं, और संस्थागत भिन्नताओं सहित कई जटिलताएँ इसे चुनौतीपूर्ण बनाती हैं। इन कठिनाइयों के बावजूद, उपलब्ध साहित्य से कुछ प्रमुख अंतदृष्टियाँ प्राप्त होती हैं:

1. **आर्थिक असमानता का राजनीतिक विश्वास पर नकारात्मक प्रभाव:**
   आर्थिक असमानता, विशेष रूप से जब इसे अन्यायपूर्ण या सीमित सामाजिक गतिशीलता के साथ जोड़ा जाता है, राजनीतिक विश्वास को हानि पहुँचाती है। असमान समाजों में नागरिक राजनीतिक प्रणाली को अधिकतर उत्तरदायी या निष्पक्ष नहीं मानते, जिससे लोकतांत्रिक संस्थानों की वैधता कमजोर होती है।

2. **संदर्भ की भूमिका:**
   असमानता और विश्वास के बीच संबंध राजनीतिक संस्थानों, ऐतिहासिक विरासतों, और सांस्कृतिक मानदंडों जैसे कारकों से प्रभावित होता है। उदाहरण के लिए, मजबूत सामाजिक सुरक्षा जाल और समावेशी संस्थानों वाले देशों में असमानता के नकारात्मक प्रभावों को कम किया जा सकता है।

3. **असमानता के दीर्घकालिक राजनीतिक प्रभाव:**
   आर्थिक असमानता के प्रभाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरे राजनीतिक भी होते हैं। असमानता सामाजिक विखंडन, राजनीतिक ध्रुवीकरण, और राजनीतिक असंलग्नता को बढ़ावा देती है, जिससे अविश्वास और असमानता के दुष्चक्र को और बढ़ावा मिलता है।

4. **नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता:**
   असमानता को कम करने के उद्देश्य से प्रगतिशील कराधान, सामाजिक कल्याण कार्यक्रम, और आर्थिक गतिशीलता को बढ़ावा देने वाले सुधार राजनीतिक विश्वास को पुनर्स्थापित करने में सहायक हो सकते हैं। जब नागरिक यह देखते हैं कि उनकी सरकार असमानता को संबोधित

International Journal of Transcontinental Discoveries (IJTD)
Volume 6, Issue 1, January-December, 2019
Available online at: https://internationaljournals.org/index.php/ijtd
This is an open access article under the CC BY-NC license.

कर रही है और निष्पक्षता सुनिश्चित कर रही है, तो वे राजनीतिक संस्थानों पर अधिक विश्वास करते हैं।

5. **शोध में कार्यप्रणालीगत सीमाएँ:**
   कारणात्मकता, समंक की गुणवत्ता, और असमानता और विश्वास की बहुआयामी प्रकृति से संबंधित समस्याएँ इस क्षेत्र के अध्ययन में प्रमुख बाधाएँ हैं। इन सीमाओं को नवीन अनुसंधान डिज़ाइनों, अधिक मजबूत समंक संग्रह, और अंतःविषय दृष्टिकोणों के माध्यम से संबोधित करना आवश्यक होगा।

आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वास का अंतर्संबंध केवल एक सैद्धांतिक प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका लोकतांत्रिक शासन के लिए व्यावहारिक महत्व भी है। जैसे–जैसे वैश्विक स्तर पर अमीर और गरीब के बीच का अंतर बढ़ रहा है, राजनीतिक प्रणालियों की यह क्षमता कि वे इन असमानताओं को न्यायपूर्ण और प्रभावी तरीकों से संबोधित कर सकें, लोकतंत्रों की स्थिरता के भविष्य को निर्धारित करेगी। भविष्य के शोध में उन मॉडलों, उपकरणों, और कार्यप्रणालियों को परिष्कृत करने की आवश्यकता होगी, जिनका उपयोग इस संबंध का अध्ययन करने के लिए किया जाता है। इन निष्कर्षों को ऐसी नीतियाँ बनाने में उपयोग किया जा सकता है जो समानता को बढ़ावा दें, विश्वास को बहाल करें, और लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करें।

इन चुनौतियों का समाधान करते हुए और इस क्षेत्र के कार्य से प्राप्त अंतदृष्टियों का लाभ उठाते हुए, समाज अधिक समान और समावेशी राजनीतिक प्रणालियों की दिशा में काम कर सकते हैं, जो नागरिकों के बीच विश्वास, सामाजिक सामंजस्य, और राजनीतिक स्थिरता को बढ़ावा दें।

संदर्भ

[1]. एलेसीना, ए., और ला फेरारा, ई. (2005)। "सामाजिक प्राथमिकताएँ और पुनर्वितरण की राजनीतिक अर्थव्यवस्था।" अमेरिकन इकोनॉमिक रिव्यू, 95(4), 959–974.https://doi.org/10.1257/0002828054825590.

[2]. ब्रेम, जे., और राहन, डब्ल्यू. एम. (1997)। "सामाजिक पूंजी के कारणों और परिणामों के लिए व्यक्तिगत स्तर के प्रमाण।" अमेरिकन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 41(3), 999–1023। https://doi.org/10.2307/2111683.

[3]. सिट्रिन, जे., और स्टोकर, एल. (2018)। "एक संशयपूर्ण युग में राजनीतिक विश्वास।" एनुअल रिव्यू ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 21, 49–71 ।https://doi.org/10.1146/annurev-polisci-042716-102159.

This is an open access article under the CC BY-NC license.

[4]. क्लार्क, डब्ल्यू. आर., और गिलिगन, एम. जे. (2015)। "राजनीतिक विश्वास, आर्थिक असमानता, और लोकतंत्र का भविष्य।" पॉलिटिकल साइंस क्वार्टरली, 130(3), 463–493 ।https://doi.org/10.1002/polq.12459.

[5]. डालबर्ग, एम., और होल्मबर्ग, एस. (2014)। "राजनीतिक विश्वास और असमानता विरोधाभासः बढ़ती असमानता वाले समाज में राजनीतिक विश्वास का दीर्घकालिक विश्लेषण।" यूरोपीय जर्नल ऑफ पॉलिटिकल रिसर्च, 53(2), 1–19 ।https://doi.org/10.1111/1475-6765.12037.

[6]. एरिक्सन, आर. एस., और टेडिन, के. एल. (2019)। अमेरिकन पब्लिक ओपिनियनः इट्स ओरिजिन्स, कंटेंट, एंड इम्पैक्ट (9वां संस्करण)। डब्ल्यू. डब्ल्यू. नॉर्टन एंड कंपनी।

[7]. फिसमैन, आर., पराविसिनी, डी., और विग, वी. (2017)। "असमानता के राजनीतिक विश्वास पर प्रभाव।" अमेरिकन इकोनॉमिक जर्नलः एप्लाइड इकोनॉमिक्स, 9(2), 1–27 ।https://doi.org/10.1257/app.20160073.

[8]. हेल्लीवेल, जे. एफ., लेयार्ड, आर., और सैक्स, जे. (2016)। वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2016। सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क ।https://www.sustainabledevelopment.un.org/content/documents/7141WorldHappinessReport2016.pdf.

[9]. नैक, एस., और कीफर, पी. (1997)। "क्या सामाजिक पूंजी का आर्थिक लाभ होता है? एक अंतर–देशीय जांच।" द क्वार्टरली जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, 112(4), 1251–1288 ।https://doi.org/10.1162/003355397555475.

[10]. मिलानोविक, बी. (2016)। ग्लोबल इनइक्वालिटीः ए न्यू अप्रोच फॉर द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

[11]. मोलर, जे., और गिगर, एन. (2013)। "आर्थिक असमानता और राजनीतिक विश्वासः एक दीर्घकालिक विश्लेषण।" पॉलिटिकल स्टडीज, 61(1), 180–197 ।https://doi.org/10.1111/j.1467-9248.2012.01019.x.

[12]. रॉथस्टीन, बी., और उसलेनर, ई. एम. (2005)। "सभी के लिएः समानता, भ्रष्टाचार, और सामाजिक विश्वास।" वर्ल्ड पॉलिटिक्स, 58(1), 41–72 ।https://doi.org/10.1353/wp.2006.0013.

[13]. सोल्ट, एफ. (2008)। "आर्थिक असमानता और लोकतांत्रिक राजनीतिक भागीदारी।" अमेरिकन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, 52(1), 48–60 ।https://doi.org/10.1111/j.1540-5907.2007.00262.x.

[14]. उसलेनर, ई. एम. (2002)। द मॉरल फाउंडेशन्स ऑफ ट्रस्ट। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस ।https://doi.org/10.1017/CBO9780511491663.

[15]. ज़मरली, एस., और न्यूटन, के. (2017)। "राजनीतिक विश्वास और संस्थागत प्रदर्शन का महत्व।" टी. आर. डी. स्टोजनॉविच और वी. जीवकोविच (संपादकों) में, पॉलिटिकल ट्रस्ट एंड डेमोक्रेसीः ए कम्पेरेटिव पर्सपेक्टिव (पृष्ठ 7–23)। स्प्रिंगर ।https://doi.org/10.1007/978-3-319-59174-4_2.